भा. कृ. अनु. प.- केंद्रीय कपास अनुसंधान संस्थान, नागपुर
ICAR-central Institute for Cotton Research, Nagpur
An ISO 9001:2015 Certified Organisation

कपास की खेती के लिए XVIII (अठारहवाँ) साप्ताहिक परामर्श, 19 से 25 सितंबर, 2023 तक

हरियाणा		पिछले सप्ताह में वास्तविक वर्षा (मिमी)					अगले सप्ताह अनुमानित वर्षा (मिमी)				
		सितम्बर					सितम्बर				
		15	16	17	18	19	21	22	23	24	25
	हिसार	0	0	0	7.8	0	11	8	0	5	6
	जींद	0	0	0	0	0	12	5	0	6	9
	सिरसा	0	0	0	0	0	13	7	0	6	8
	रोहतक	0	0	5	3.6	0	5	10	0	5	6
वर्षा की मात्रा एवं रंग कोड		0.1 to 2.4 मिमी		2.5 to 15.5 मिमी		15.6 to 64.4 मिमी		64.5 to 115.5 मिमी		115.6 to 204.4 मिमी	
वर्षा श्रेणी		बहुत हल्की वर्षा		हल्की वर्षा		मध्यम वर्षा		भारी वर्षा		बहुत भारी वर्षा	

फसल की स्थिति:

हिसार में, 119 से 157 दिन के पश्चात फसल बीजकोष खुलने की अवस्था में है। अधिकांश किसानों ने कपास की पहली चुनाई पूरी कर ली है। जींद जिले में कपास की फसल अच्छी पुष्पवस्था में है जबकि हिसार, फतेहाबाद और भिवानी जिलों में कम फूल देखा गया। कुछ खेतों में मोथा, मकरा और दूब को छोड़कर कपास के खेत खरपतवारों से मुक्त हैं। अधिकांश क्षेत्रों में जैसिड की संख्या आर्थिक सीमा से काफी नीचे है। अधिकांश क्षेत्रों में सफेद मक्खी की आबादी ईटीएल के आसपास है। कुछ खेतों में मिलीबग की छिटपुट आबादी भी दर्ज की गई। सभी सर्वेक्षण किए गए खेतों में फूलों और हरे गुलरों में ईटीएल से काफी ऊपर गुलाबी सुंडी का प्रकोप देखा गया। गुलाबी सूँडी की संख्या ट्रैप में भी बहुत अधिक थीं। गुलरों का सड़ना और खराब खुले गुलरों को भी देखा गया। कई खेतों में कपास की पत्ती मोड़ने वाली वायरल बीमारी, बोल सड़न, जड़ सड़न, सूटी मोल्ड और मायरोथेसियम/फंगल पत्ती धब्बा देखा गया।

सिरसा में, 130-145 दिनों के पश्चात फसल बीजकोष बनने और बीजकोष खुलने की अवस्था में है। मौसम बादल, बरसात, गर्मी और उमस भरा था। सिंचाई, उर्वरक प्रयोग और आवश्यकता आधारित कीटनाशक छिड़काव का कार्य प्रगति पर है। कुछ स्थानों पर सफेद मक्खी और जैसिड की आबादी ईटीएल को पार कर गई और कीटों की संख्या क्रमशः 5-38 और 01-13 / 3 पत्तियों के बीच है। हरे गुलरों की क्षति (25-65% के बीच) के आधार पर सभी स्थानों पर गुलाबी सूँडी की संख्या ईटीएल को पार कर गई। कपास के कुछ खेतों में बोल सड़न की घटनाएं देखी गईं।

परामर्श:

हिसार में, चूंकि मौसम अनुकूल है, इसलिए किसानों को सलाह दी जाती है कि वे तेज धूप के दौरान कपास की चुनाई शुरू करें। आवश्यकता के आधार पर उच्च पुष्पावस्था वाली फसल में 13:00:45 (पॉटेश्यम नाइट्रेट) @2 किलोग्राम/एकड़ का छिड़काव करें। फेनप्रोपेथ्रिन 10 ईसी @ 300 मिली/एकड़ या साइपरमेथ्रिन 25% ईसी @ 100 मिली/एकड़ या डेल्टामेथ्रिन 2.8 ईसी @ 200 मिली/एकड़ या फेनवेलरेट 20 ईसी @ 200 मिली/एकड़ या लैम्ब्डा साइहलोथ्रिन 5% ईसी @ 200 मिली/एकड़ जैसे वैकल्पिक कीटनाशकों का 10 दिनों के अंतराल पर 2 से 3 छिड़काव करें। सफेद मक्खी के शिशु के गंभीर संक्रमण की स्थिति में, पायरीप्रोक्सीफेन 10 ईसी @ 500 मिली या स्पाइरोमेसिफेन 22.9 एससी @ 240 मिली/एकड़ को 200 लीटर पानी/एकड़ के साथ छिड़काव करें। मायरोथेशियम लीफ स्पॉट, कोरिनेस्पोरा, अल्टरनेरिया लीफ स्पॉट जैसे पर्ण रोगों के प्रबंधन के लिए कार्बेन्डाजिम 12%+मैन्कोजेब 63% डब्ल्यूपी @30 ग्राम या प्रोपीकोनाज़ोल 25 ईसी @10 मिली या कार्बेन्डाजिम 50 डब्ल्यूपी @ 4 ग्राम या फ्लक्सापायरोक्सैड 167 ग्राम/लीटर + पायराक्लोस्ट्रोबिन 333 ग्राम/लीटर एससी @6 ग्राम या एज़ोक्सीस्ट्रोबिन 18.2% W/W + डिफ़ेनोकोनाज़ोल 11.4% W/W एससी @10 मिली या मेटिराम 55%+पाइराक्लोस्ट्रोबिन 5% डब्ल्यूजी @20 ग्राम/10 लीटर पानी का पत्तियों पर छिड़काव करें। प्रारंभिक रोगसूचक जड़ सड़न से प्रभावित पैच और मुरझाने से प्रभावित कपास के खेतों को कार्बेन्डाजिम 50 डब्ल्यूपी @ 1.2 ग्राम/लीटर पानी से भिगोकर उपचार करें। प्रोपिकोनाज़ोल 2 ईसी @10 मिली या कार्बेन्डाजिम 50 डब्ल्यूपी @4 ग्राम या कार्बेन्डाजिम 12%+मैन्कोजेब 63% डब्ल्यूपी @30 ग्राम या फ्लक्सापायरोक्सैड 167 ग्राम/लीटर + पायराक्लोस्ट्रोबिन 333 ग्राम/ली एससी @6 ग्राम या एज़ोक्सीस्ट्रोबिन 18.2% w/w +डिफ़ेनोकोनाज़ोल 11.4% w/w एससी @10 मिली या मेटिरम 55%+पाइराक्लोस्ट्रोबिन 5% डबल्यूजी @20 ग्राम/10 लीटर पानी का उपयोग करके बोल सड़न रोग का प्रबंधन करें। यदि सूटी मोल्ड विकसित हो जाए, तो 15 दिनों के अंतराल पर प्रोपीकोनाज़ोल 25 ईसी @ 1 मिली/लीटर पानी या कॉपर ऑक्सीक्लोराइड 50 डब्ल्यूपी @ 2.5 ग्राम/लीटर पानी के 2-3 रोगनिरोधी/चिकित्सीय छिड़काव करें।

सिरसा में किसानों को सलाह दी जाती है कि वे नियमित रूप से कीट-पतंगों की घटनाओं की निगरानी करें। केवल सफेद मक्खी की वयस्क आबादी को प्रबंधित करने के लिए, डायफेंथियुरोन 50% डबल्यूपी 200 ग्राम को 150-200 लीटर पानी में डालें या एथियन 50%ईसी @ 800 मिलीलीटर/एकड़ को 150-200 लीटर पानी में डालकर छिड़काव करें। सूटी फफूंद के विकास के मामले में, प्रोपिकोनाज़ोल 25 ईसी @1 मिली/लीटर या कॉपर ऑक्सीक्लोराइड 50 डब्ल्यूपी @2.5 ग्राम/लीटर पानी के 2-3 रोगनिरोधी/चिकित्सीय छिड़काव 15 दिनों के अंतराल पर दें। यदि गुलाबी सूँडी, हरे गूलर क्षति के आधार पर ईटीएल को पार कर जाता है, तो फेनवेलरेट 20 ईसी @ 100-200 मिली या लैम्ब्डा-साइहलोथ्रिन 5 ईसी @ 200 मिली या साइपरमेथ्रिन 10 ईसी @ 200-250 मिली या साइपरमेथ्रिन 25 ईसी @ 80-100 मिली या डेल्टामेथ्रिन 2.8 ईसी @ 160-200 मिली या अल्फामेथ्रिन 10 ईसी @ 100-125 मिली या फेनप्रोपेथ्रिन 10 ईसी @ 300 मिली प्रति एकड़ 150-200 लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें । प्रोपिकोनाज़ोल 2 ईसी @10 मिली या कार्बेन्डाजिम 50 डबल्यूपी @4 ग्राम या कार्बेन्डाजिम 12%+मैन्कोजेब 63% डब्ल्यूपी @30 ग्राम या फ्लक्सापायरोक्सैड 167 ग्राम/लीटर + पायराक्लोस्ट्रोबिन 333 ग्राम/ली एससी @6 ग्राम या एज़ोक्सीस्ट्रोबिन 18.2% w/w +डिफ़ेनोकोनाज़ोल 11.4% w/w एससी @10 मिली या मेटिरम 55%+पाइराक्लोस्ट्रोबिन 5% डबल्यूजी @20 ग्राम/10 लीटर पानी का उपयोग करके बोल सड़न रोग का प्रबंधन करें। पैराविल्ट प्रबंधन के लिए, प्रभावित पौधों पर मुरझाने के लक्षण दिखाई देने के तुरंत बाद कोबाल्ट क्लोराइड @ 10 मिलीग्राम/ लीटर का छिड़काव करें, इसके बाद कॉपर ऑक्सीक्लोराइड 50 डब्ल्यूपी @ 2.5 ग्राम + 20 ग्राम यूरिया/लीटर पानी से पौधे को भिगोये। पत्तों पर फंगल धब्बों के प्रबंधन के लिए, कार्बेन्डाजिम 50 डब्ल्यूपी @0.4 ग्राम या प्रोपीनेब 70 डब्ल्यूपी @2.5 ग्राम या क्रेसॉक्सिम-मिथाइल 44.3% एससी @ 1 मिली/लीटर या प्रोपिकोनाज़ोल 25 ईसी @ 1 मिली या एज़ोक्सिस्ट्रोबिन 18.2% + डिफेनोकोनाज़ोल 11.4% एससी @ 1 मिली/लीटर या पायराक्लोस्ट्रोबिन 20% डब्ल्यूजी @ 1 ग्राम या फ्लक्सापायरोक्सैड 167 ग्राम/लीटर + पायराक्लोस्ट्रोबिन 333 ग्राम/लीटर एससी @ 0.6 ग्राम प्रति लीटर पानी का छिड़काव करें।

कपास उत्पादन तकनीक के संबंध में विस्तृत जानकारी, जैसे कि मिट्टी, किस्मों, उर्वरक आवेदन, बुवाई के तरीकों, सिंचाई प्रणालियों, खरपतवारों, कीटों और बीमारियों के प्रबंधन आदि को भाकृअनुप –केकअनुसं, नागपुर द्वारा विकसित एंड्रॉइड आधारित **सीआईसीआर कॉटन ऐप** द्वारा ली जा सकता है। ऐप को गूगल प्ले स्टोर से बिना किसी शुल्क के डाउनलोड किया जा सकता है। इसके अतिरिक्त, फसल विकास चरण विशिष्ट और मौसम आधारित साप्ताहिक सलाह को भाकृअनुप –केकअनुसं की वेबसाइट पर भी अपलोड किया जाता है, ताकि किसानों के लाभ के लिए परामर्श दिया जा सके ।

भा. कृ. अनु. प.- केंद्रीय कपास अनुसंधान संस्थान, नागपुर

ICAR-central Institute for Cotton Research, Nagpur

An ISO 9001:2015 Certified Organisation

कपास की खेती के लिए XVIII (अठारहवाँ) साप्ताहिक परामर्श, 19 से 25 सितंबर, 2023 तक

राजस्थान		पिछले सप्ताह में वास्तविक वर्षा (मिमी)					अगले सप्ताह अनुमानित वर्षा (मिमी)				
		सितम्बर					सितम्बर				
		15	16	17	18	19	21	22	23	24	25
	अजमेर	2	0	7.2	6.3	0	3	1	1	6	2
	जोधपुर	0.4	43	12.3	4.5	0	14	1	0	0	0
	नागौर						8	0	1	2	0
	पाली	8	0	1	17	0	9	1	1	2	2
	श्री गंगानगर	0	16	0	0	0	6	1	0	1	1
वर्षा की मात्रा एवं रंग कोड		0.1 to 2.4 मिमी		2.5 to 15.5 मिमी		15.6 to 64.4 मिमी		64.5 to 115.5 मिमी		115.6 to 204.4 मिमी	
वर्षा श्रेणी		बहुत हल्की वर्षा		हल्की वर्षा		मध्यम वर्षा		भारी वर्षा		बहुत भारी वर्षा	

फसल की स्थिति:

दक्षिणी राजस्थान (बांसवाड़ा, भीलवाड़ा, चित्तौड़गढ़, डूंगरपुर, प्रतापगढ़, राजसमंद और उदयपुर) में, 84 से 130 दिन के पश्चात फसल, फूल आने और बीजकोष बनने की अवस्था में है। पिछले सप्ताह भारी बारिश के कारण अंतरकृषि क्रियाओं का संचालन नहीं किया जा सका। अधिकांश खेत खरपतवारों से मुक्त हैं। जैसिड्स और व्हाइटफ्लाई की संख्या ईटीएल के नीचे देखी गईं। प्रक्षेत्र में बीमारियों का प्रकोप नहीं है।

श्रीगंगानगर और हनुमानगढ़ में, 117 से 162 दिन के पश्चात फसल गूलर बनने और गूलर फूटने की अवस्था में होती है। बुआई के बाद सिंचाई दी गई है। देर से बोई गई कपास में अंतरकृषि क्रियाएँ अपनाई गई हैं। कुछ क्षेत्रों में कपास की चुनाई शुरू हो गई है। किसानों के खेतों में रस चूसने वाले कीटों जैसे की जैसिड और थ्रिप्स की संख्या ईटीएल से नीचे देखी गई जबकि सफेद मक्खी और गुलाबी सूँडी का प्रकोप ईटीएल (5-20% रोसेट फूल) को पार कर गया है।

परामर्श:

दक्षिणी राजस्थान (बांसवाड़ा, भीलवाड़ा, चित्तौड़गढ़, डूंगरपुर, प्रतापगढ़, राजसमंद और उदयपुर) में, किसानों को सलाह दी जाती है कि वे अपने खेतों में उचित जल निकासी चैनल बनाएं क्योंकि हल्की से मध्यम बारिश के साथ बादल छाए रहने का अनुमान है। रस चूसने वाले कीटों के संक्रमण की निगरानी करें और यदि यह ईटीएल से आगे चला जाता है तो इसे नियंत्रित करने के लिए फ्लोनिकैमिड 50 डब्ल्यूजी @ 80 ग्राम/एकड़ या डिनोटफ्यूरान 20 एसजी @ 60 ग्राम/एकड़ या इमिडाक्लोप्रिड 17.8 एसएल @ 60 मिली/एकड़ या थियामेथोक्सम 25 डब्लूजी @ 40 ग्राम/एकड़ डायफेंथियूरॉन 50WP @ 240 ग्राम/एकड़ का छिड़काव करें। सफेद मक्खी और जैसिड की निगरानी के लिए 8/एकड़ की दर से पीले चिपचिपे जाल लगाएं और गुलाबी सुंडी की निगरानी के लिए 2/एकड़ की दर से फेरोमोन जाल लगाएं और बताई गई वैधता के अनुसार लुयर बदलें। नियमित रूप से गुलाबी सूँडी की उपस्थिति की निगरानी करें और लार्वा सहित प्रभावित फूलों (रोसेट फूल) को नष्ट कर दें। गुलाबी सूँडी के लिए, घटना के स्तर को देखने के लिए 10-20 दिन पुराने 20 हरे गुलरों /एकड़ को काटें।यदि गुलाबी सूँडी फेरोमोन जाल में फंसने या हरे बोल क्षति के आधार पर ईटीएल को पार कर जाता है, तो इमामेक्टिन बेंजोएट 5 एसजी @ 100 ग्राम/एकड़ या प्रोफेनोफॉस 50 ईसी @ 600 मिलीलीटर या क्लोरपाइरीफोस 20% ईसी @ 500 मिलीलीटर या इंडोक्साकार्ब 14.5 एससी @ 200 मिलीलीटर/एकड़ का छिड़काव करें। एक ही कीटनाशक को दोबारा न दोहराएं और जब भी दुबारा छिड़काव की आवश्यकता हो तो , कीटनाशक को बारी-बारी से प्रयोग करें। यदि पौधों की पत्तियाँ अचानक गिरती हैं जो अंततः मुरझा (पैराविल्ट) जाती हैं, तो प्रभावित पौधों को कोबाल्ट क्लोराइड @ 10 मिलीग्राम/10 लीटर पानी का छिड़काव करें तथा उसके पश्चात कॉपर ऑक्सीक्लोराइड 50 डबल्यूपी @2.5 ग्राम/लीटर पानी में या कार्बेन्डाजिम 50 डबल्यूपी @12 ग्राम + यूरिया 200 ग्राम/10 लीटर पानी में इन लक्षणों के दिखने के तुरंत बाद पौधों को भिगोकर बचाएं। मायरोथेसियम, कोरिनेस्पोरा, अल्टरनेरिया लीफ स्पॉट, गूलर सड़न रोग और आर्द्र मौसम ब्लाइट जैसे पर्ण रोगों के मामले में, प्रोपीकोनाज़ोल 25 ईसी @10 मिली या कार्बेन्डाजिम 50 डब्ल्यूपी @ 4 ग्राम या कार्बेन्डाजिम 12%+मैन्कोजेब 63% डब्ल्यूपी @30 ग्राम या फ्लक्सापायरोक्सैड 167 ग्राम/लीटर + पायराक्लोस्ट्रोबिन 333 ग्राम/लीटर एससी @ 6 ग्राम या एज़ोक्सीस्ट्रोबिन 18.2% w/w + डिफेनोकोनाज़ोल 11.4% w/w एससी @10 मिली या मेटिरम 55% + पायराक्लोस्ट्रोबिन 5% डब्ल्यूजी @ 20 ग्राम प्रति 10 लीटर पानी का पर्णीय छिड़काव करें। जड़ सड़न से प्रभावित पौधों और आसपास के स्वस्थ पौधों को कार्बेन्डाजिम 50 डब्ल्यूपी @ 1.2 ग्राम/लीटर पानी या ट्राइकोडर्मा हार्ज़ियानम या टी. विरिडी डब्ल्यूपी फॉर्मूलेशन @ 5 - 6 ग्राम/लीटर पानी से भिगोएँ। एक ही कीटनाशक/कवकनाशी और एक ही समूह के कीटनाशक/कवकनाशी को दोबारा न

दोहराएं। दो या अधिक कीटनाशकों के टैंक मिश्रण से बचें।

श्रीगंगानगर और हनुमानगढ़ में, किसानों को सलाह दी जाती है कि वे गूलर के गठन में सुधार और फूलों का गिरना कम करने के लिए पॉटेश्यम नाइट्रेट @ 2% का छिड़काव करें। कीटों और बीमारियों के लिए फसल की नियमित निगरानी करें। जैसिड और सफेद मक्खी को नियंत्रित करने के लिए, एफिडोपाइरोपेन 50 डीसी @ 400 मिली/एकड़ या फ्लोनिकैमिड 50 डब्लूजी @ 80 ग्राम/एकड़ या थियामेथोक्साम 25 डब्लूजी @ 0.5 ग्राम/लीटर का छिड़काव करें। यदि सफेद मक्खी के निम्फ की संख्या अधिक है, तो पाइरिप्रोक्सीफेन 10 ईसी @ 500 मिलीलीटर/एकड़ का छिड़काव करें। गुलाबी इल्ली की निगरानी के लिए 5/हेक्टेयर की दर से फेरोमोन ट्रैप लगाएं। नियमित रूप से गुलाबी सूँडी की उपस्थिति की निगरानी करें और प्रभावित फूल को लार्वा सहित नष्ट कर दें। जहां भी गुलाबी सूँडी की संख्या ईटीएल को पार कर जाती है, यानी फूल या गूलर का संक्रमण 5% से अधिक है, तो प्रोफेनोफॉस 50 ईसी @ 600 मिलीलीटर/एकड़ या इमामेक्टिन बेंजोएट 5 एसजी @ 100 ग्राम/एकड़ या इंडोक्साकार्ब 14.5 एससी @ 200 मिलीलीटर/एकड़ का छिड़काव करें। जहां भी फसल 120 दिन से ऊपर की हो, वहां गुलाबी सूँडी के खिलाफ साइपरमेथ्रिन 10 ईसी @ 200 मिली या फेनवेलरेट 20 ईसी @ 200 मिली या डेल्टामेथ्रिन 2.8 ईसी @ 200 मिली या अल्फा-मेथ्रिन 10 ईसी @ 200 मिली या बीटा साइफ्लुथ्रिन 2.5 ईसी @ 200 मिली प्रति एकड़ का छिड़काव करें। एक ही कीटनाशक का प्रयोग लगातार नहीं करना चाहिए तथा आवश्यकता आधारित छिड़काव को पिछले छिड़काव के 12-15 दिन बाद करना चाहिए। गुलाबी सूँडी से संक्रमित कपास को अलग से चुनें और संग्रहित करें।

कपास उत्पादन तकनीक के संबंध में विस्तृत जानकारी, जैसे कि मिट्टी, किस्मों, उर्वरक आवेदन, बुवाई के तरीकों, सिंचाई प्रणालियों, खरपतवारों, कीटों और बीमारियों के प्रबंधन आदि को भाकृअनुप –केकअनुसं, नागपुर द्वारा विकसित एंड्रॉइड आधारित **सीआईसीआर कॉटन ऐप** द्वारा ली जा सकता है। ऐप को गूगल प्ले स्टोर से बिना किसी शुल्क के डाउनलोड किया जा सकता है। इसके अतिरिक्त, फसल विकास चरण विशिष्ट और मौसम आधारित साप्ताहिक सलाह को भाकृअनुप –केकअनुसं की वेबसाइट पर भी अपलोड किया जाता है, ताकि किसानों के लाभ के लिए परामर्श दिया जा सके ।

भा. कृ. अनु. प.- केंद्रीय कपास अनुसंधान संस्थान, नागपुर

ICAR-central Institute for Cotton Research, Nagpur

An ISO 9001:2015 Certified Organisation

कपास की खेती के लिए XVIII (अठारहवाँ) साप्ताहिक परामर्श, 19 से 25 सितंबर, 2023 तक

मध्य प्रदेश		पिछले सप्ताह में वास्तविक वर्षा (मिमी)					अगले सप्ताह अनुमानित वर्षा (मिमी)				
		सितम्बर					सितम्बर				
		15	16	17	18	19	21	22	23	24	25
	खरगाँव										
	धार	2	138	301	19	0	80	210	212	39	13
	खांडवा										
वर्षा की मात्रा एवं रंग कोड		0.1 to 2.4 मिमी		2.5 to 15.5 मिमी		15.6 to 64.4 मिमी		64.5 to 115.5 मिमी		115.6 to 204.4 मिमी	
वर्षा श्रेणी		बहुत हल्की वर्षा		हल्की वर्षा		मध्यम वर्षा		भारी वर्षा		बहुत भारी वर्षा	

फसल की स्थिति:

खंडवा में, फसल 84 से 133 दिन के पश्चात फूल आने और बीजकोष बनने की अवस्था में है। निराई-गुड़ाई, अंतरकृषि क्रियाएँ, सिंचाई, उर्वरक और कीटनाशकों का प्रयोग फसल के चरणों के अनुसार किया गया है। पिछले सप्ताह लगभग सभी इलाकों में व्यापक बारिश हुई थी इसलिए खेतों में सिंचाई की कोई जरूरत नहीं थी। कई खेतों में जैसिड और एफिड्स का प्रकोप देखा गया जबकि कुछ खेतों में सफेद मक्खी का प्रकोप देखा गया। कुछ इलाकों में पोटैशियम की कमी दर्ज की गई है। कुछ खेतों में बैक्टीरियल लीफ ब्लाइट और सर्कोस्पोरा लीफ स्पॉट देखे गए।

परामर्श:

किसानों को सलाह दी जाती है कि वे खेतों में जलभराव की स्थिति से बचने के लिए उचित जल निकासी का प्रबंध करें। 90 दिन पर 25% नाइट्रोजन और 120 दिन पर 10% नाइट्रोजन युक्त रासायनिक उर्वरक डालें। इन पोषक तत्वों की विभाजित खुराकें कॉलम विधि द्वारा 10 से 15 सेमी की गहराई पर डालनी चाहिए। पोटेशियम की कमी वाले क्षेत्रों में पोटेशियम सल्फेट 0.5% का छिड़काव करें। यदि रस चूसक कीटों की संख्या ईटीएल से ऊपर है (जैसिड 2 निम्फ/पत्ती, एफिड्स 10% संक्रमित पौधे और सफेद मक्खी 6/पत्ती) तो फ्लोनिकैमिड 50 डब्ल्यूजी @ 200 ग्राम/हेक्टेयर या डिनोटफ्यूरान 20 एसजी @ 150 ग्राम/हेक्टेयर या थियामेथोक्सम 25 डब्ल्यूजी @ 100 ग्राम/हेक्टेयर या इमिडाक्लोप्रिड 17.8 एसएल @150 मि.ली./हेक्टेयर का छिड़काव करें। गुलाबी सूँडी की गतिविधि की निगरानी के लिए 5/हेक्टेयर की दर से फेरोमोन जाल स्थापित करें। रोसेट फूलों की उपस्थिति का निरीक्षण करें और उन्हें इकट्ठा करके तुरंत नष्ट कर दें। यदि गुलाबी सूँडी ईटीएल से अधिक हो तो प्रोफेनोफोस 50 ईसी @ 600 मिली/एकड़ या इमामेक्टिन बेंजोएट 5 एसजी @ 100 ग्राम/एकड़ या इंडोक्साकार्ब 14.5 एससी @ 200 मिली/एकड़ का छिड़काव करें। बैक्टीरियल ब्लाइट रोग के प्रबंधन के लिए कॉपर ऑक्सीक्लोराइड 50 डब्ल्यूपी/डब्ल्यूजी @25-30 ग्राम/10 लीटर पानी का छिड़काव करें। यदि खेतों में अचानक सूखने या पैराविल्ट के लक्षण दिखाई दें, तो प्रभावित पौधों के चारों ओर तुरंत कार्बेन्डाजिम 50 डब्ल्यूपी @ 12 ग्राम + यूरिया 1.5% डालें। कार्बेन्डाजिम 12% + मैनकोजेब 63% डबल्यूपी @30 ग्राम या कार्बेन्डाजिम 50 डबल्यूपी @4 ग्राम या क्रेसोक्सिम मिथाइल 44.3 एससी @ 10 मिली या प्रोपीनेब 70 डबल्यूपी @25 ग्राम या प्रोपिकोनाज़ोल 25 ईसी @10 मिली या मेटिरम 55% +पाइराक्लोस्ट्रोबिन5% डबल्यूजी @20 ग्राम या एज़ोक्सीस्ट्रोबिन 18.2% w/w + डिफेनोकोनाज़ोल 11.4% w/w एससी @10 मिली या फ्लक्सापायरोक्सैड 167 ग्राम/लीटर + पाइराक्लोस्ट्रोबिन 333 ग्राम/लीटर एससी @ 6 ग्राम को 10 लीटर पानी में मिलाएं एवं सर्कोस्पोरा पत्ती धब्बा, मायरोथेसियम लीफ स्पॉट, कोरिनेप्सोरा पत्ती धब्बा, अन्य फफूंद पत्ती धब्बों और फफूंद बोल सड़न रोगो के खिलाफ खेतो में पत्तियों पर छिड़काव करें।

कपास उत्पादन तकनीक के संबंध में विस्तृत जानकारी, जैसे कि मिट्टी, किस्मों, उर्वरक आवेदन, बुवाई के तरीकों, सिंचाई प्रणालियों, खरपतवारों, कीटों और बीमारियों के प्रबंधन आदि को भाकृअनुप –केकअनुसं, नागपुर द्वारा विकसित एंड्रॉइड आधारित **सीआईसीआर कॉटन ऐप** द्वारा ली जा सकता है। ऐप को गूगल प्ले स्टोर से बिना किसी शुल्क के डाउनलोड किया जा सकता है। इसके अतिरिक्त, फसल विकास चरण विशिष्ट और मौसम आधारित साप्ताहिक सलाह को भाकृअनुप –केकअनुसं की वेबसाइट पर भी अपलोड किया जाता है, ताकि किसानों के लाभ के लिए परामर्श दिया जा सके ।